2024

1. निम्नलिखित में से ओझियाना के उत्खनन में कौन शामिल था/थे?

A. आर. सी. अग्रवाल **B. बी. आर. मीणा**
C. आलोक त्रिपाठी

कूट :

(1) B और C (2) केवल A
(3) केवल C (4) A और B
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- ओझियाना राजस्थान के ब्यावर ज़िले में स्थित एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल है।
- इस स्थल का उत्खनन भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा किया गया था।
- इसके उत्खनन का नेतृत्व मुख्य रूप से **डॉ. बी. आर. मीणा** और **डॉ. आलोक त्रिपाठी** ने किया था।
- इस स्थल से **आहड़ संस्कृति** या **चालकोलिथिक संस्कृति** से संबंधित अवशेष प्राप्त हुए हैं, जिनमें मिट्टी के बर्तन, ताम्र उपकरण, पत्थर के औजार, मोती और संरचनाओं के अवशेष शामिल हैं।

2. निम्नलिखित में से किस पुरास्थल की पहचान पुरातत्त्वविद् टी. एच. हैण्डले ने एक बौद्ध कस्बे के रूप में की थी ?

(1) नलियासर (2) भाण्डारेज
(3) बूढ़ा पुष्कर (4) बैराठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- टी. एच. हैण्डले (T. H. Handley) ने राजस्थान के नलियासर पुरास्थल की पहचान एक बौद्ध कस्बे के रूप में की थी। नलियासर में बौद्ध धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण पुरातात्विक साक्ष्य मिले हैं, जो इसे प्राचीन समय में एक महत्वपूर्ण बौद्ध केंद्र बनाते हैं।

3. मारवाड़ के राव चूण्डा के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:

A. राव चूण्डा को मण्डोर दहेज में प्राप्त हुआ।
B. राव चूण्डा की मृत्यु के तुरंत पश्चात् राव रणमल राजगद्दी पर आसीन हुआ।

(1) A और B दोनों असत्य हैं।
(2) केवल A सत्य है।
(3) केवल B सत्य है।
(4) A और B दोनों सत्य हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- **कथन A:** राव चूण्डा को मण्डोर दहेज में प्राप्त हुआ। यह कथन सत्य है। इतिहास के अनुसार, राव चूण्डा ने मण्डोर के इंदा परिहार शासक की पुत्री से विवाह किया था। इंदा परिहारों ने मण्डोर को राव चूण्डा को दहेज में या उपहार स्वरूप सौंप दिया था, क्योंकि वे तुगलक सेनाओं (या अन्य बाहरी ताकतों) से अपनी रक्षा करने में असमर्थ थे। मण्डोर तब मारवाड़ की राजधानी बना।
- **कथन B:** राव चूण्डा की मृत्यु के तुरंत पश्चात् राव रणमल राजगद्दी पर आसीन हुआ। यह कथन असत्य है। राव चूण्डा ने अपने सबसे बड़े पुत्र राव रणमल को उत्तराधिकार से वंचित कर दिया था। उनकी मृत्यु के पश्चात्, उनके छोटे पुत्र कान्हा (राव कान्हा) राजगद्दी पर आसीन हुए थे। राव रणमल बाद में मेवाड़ (अपनी बहन हंसा बाई के सहयोग से) के समर्थन से मारवाड़ की सत्ता पर नियंत्रण स्थापित करने में सफल हुए, लेकिन वह राव चूण्डा की मृत्यु के तुरंत बाद राजा नहीं बने थे।

4. राव जैतसी-रो-छन्द' के अनुसार, बीकानेर के शासक राव जैतसी ने निम्न में से किसे परास्त किया था?

(1) अकबर (2) हुमायूँ
(3) कामरान (4) शेरशाह
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- राव जैतसी-रो-छन्द' ग्रंथ के अनुसार, बीकानेर के शासक राव जैतसी ने मुगल सम्राट बाबर के पुत्र कामरान को परास्त किया था।
- बीठू सूजा द्वारा डिंगल भाषा में रचित **'राव जैतसी-रो-छन्द'** यह ऐतिहासिक ग्रंथ, 1534 ई. में हुए रातीघाटी के युद्ध का विस्तृत और प्रामाणिक विवरण देता है,
- जिसमें राव जैतसी ने कामरान के नेतृत्व वाली मुगल सेना को हराया था।

5. बिजोलिया किसान आन्दोलन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

A.बिजोलिया किसान आन्दोलन सम्बन्धी जानकारी देने हेतु विजय सिंह पथिक गांधीजी से मिलने वर्धा गये थे।
B. प्रयाग के अभ्युदय एवं कलकत्ता के भारत मित्र समाचार-पत्रों ने बिजोलिया किसान आन्दोलन सम्बन्धी समाचारों का नियमित रूप से प्रकाशन किया था।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर को चुनिये :

(1) न तो A और न ही B सही है।
(2) केवल A सही है।
(3) केवल B सही है।
(4) A और B दोनों सही हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- बिजोलिया किसान आंदोलन भारतीय इतिहास का सबसे लंबा अहिंसक किसान आंदोलन था। यह आंदोलन 1897 में शुरू हुआ और 1941 तक चला (लगभग 44 वर्ष)।
- यह आंदोलन मेवाड़ रियासत के बिजोलिया ठिकाने में सामंती शोषण और अत्यधिक भू-राजस्व के खिलाफ था।
- प्रयाग (इलाहाबाद) से प्रकाशित 'अभ्युदय' और कलकत्ता से प्रकाशित 'भारत मित्र' समाचार-पत्रों ने बिजोलिया किसान आंदोलन के समाचारों को नियमित रूप से प्रकाशित करके इस

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

6. 1945 का एस. ए. सुधालकर प्रतिवेदन निम्न में से किस देशी रियासत से सम्बन्धित है?

(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) बीकानेर (4) उदयपुर
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- 1945 का एस. ए. सुधालकर प्रतिवेदन जोधपुर देशी रियासत से सम्बन्धित है।
- यह प्रतिवेदन जोधपुर राज्य के प्रशासन और वित्तीय स्थिति का आकलन करने और उसमें सुधार के सुझाव देने के लिए तैयार किया गया था।
- एस. ए. सुधालकर एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश थे,
- जोधपुर राज्य प्रशासन द्वारा जिन्हें भूमि राजस्व प्रणाली, जागीर प्रशासन और राज्य के समग्र वित्तीय स्वास्थ्य की जाँच करने के लिए नियुक्त किया गया था।

7. वाल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है ?

(1) सभा ने अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सामाजिक नियम बनाए।
(2) इसकी स्थापना सन् 1888 में कर्नल सी. के. एम. वाल्टर के प्रयासों से हुई थी।
(3) इसका उद्देश्य राजस्थान के राजपूतों और दलितों के लिए सुधारात्मक कार्य करना था।
(4) इसकी प्रथम बैठक का आयोजन अजमेर में हुआ था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- वाल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा की स्थापना 1888 ई. में राजपूताने के तत्कालीन एजेंट टू गवर्नर-जनरल कर्नल सी.के.एम. वाल्टर के प्रयासों से अजमेर में हुई थी।
- इस सभा के प्रमुख उद्देश्य राजपूतों में प्रचलित सामाजिक कुरीतियों और आर्थिक समस्याओं को हल करना था:
- शादी के अवसरों पर होने वाले अत्यधिक खर्चों पर नियंत्रण रखना।
- लड़के-लड़कियों की शादी के लिए न्यूनतम आयु निर्धारित करना और अनमेल विवाह को हतोत्साहित करना।
- राजपूत समुदाय के बीच शिक्षा के प्रसार को प्रोत्साहित करना।

8. मत्स्य संघ के प्रधानमंत्री शोभाराम के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए :

A. उन्होंने असहयोग आन्दोलन के दौरान वकालत छोड़ी।
B. वे हीरालाल शास्त्री के मंत्रिमण्डल में सदस्य रहे।

(1) A और B दोनों असत्य हैं।
(2) केवल A सत्य है।
(3) केवल B सत्य है।
(4) A और B दोनों सत्य हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- मत्स्य संघ के निर्माण (18 मार्च, 1948) के समय शोभाराम कुमावत प्रधानमंत्री थे। बाद में, 15 मई, 1949 को मत्स्य संघ का वृहत राजस्थान में विलय कर दिया गया। विलय के बाद, हीरालाल शास्त्री के नेतृत्व में राजस्थान का प्रथम मंत्रिमंडल बना, जिसमें शोभाराम कुमावत को सदस्य (मंत्री) के रूप में शामिल किया गया था।

2023

9. अजमेर का पराक्रमी चौहान शासक जिसने दिल्ली पर विजय प्राप्त कर उसे अपने साम्राज्य में शामिल किया। वह था-

(1) विग्रहराज चतुर्थ (2) अर्णोराज
(3) अजयराज (4) पृथ्वीराज तृतीय
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- अजमेर का पराक्रमी चौहान शासक विग्रहराज चतुर्थ दिल्ली पर विजय प्राप्त कर उसे अपने साम्राज्य में शामिल किया।
- विग्रहराज चतुर्थ (1158-63) को बीसलदेव के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली पर अधिकार कर उसने हांसी को जीता।
- विग्रहराज चतुर्थ ने अपने पराक्रम से शाकंभरी चौहानों को उत्तर भारत में एक महत्त्वपूर्ण शक्ति बनाया। वे एक महान् कवि एवं लेखक भी थे। उन्होने 'हरिकेलि' जैसे नाटकों की रचना की।
- महाकवि सोमदेव ने वीसलदेव के चरित्र की प्रशंसा में 'ललित विग्रहराज' नामक ग्रंथ लिखा।

10. कन्हैया लाल मित्तल, मांगी लाल भव्य और मकबूल आलम निम्नलिखित में से किस प्रजमंडल आंदोलन से संबन्धित थे?

(1) झालावाड़ राज्य प्रजामंडल
(2) बाँसवाड़ा राज्य प्रजामंडल
(3) बूँदी राज्य प्रजामंडल
(4) करौली राज्य प्रजामंडल
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- झालावाड़ प्रजामंडल का 25 नवंबर, 1946 को गठन किया गया।
- झालावाड़ प्रजामंडल का गठन मांगीलाल भव्य ने मदन गोपाल, कन्हैया लाल मित्तल, मकबूल आलम और रतन लाल के साथ मिलकर किया था।

11. मत्स्य संघ का वृहत् राजस्थान में विलय कब हुआ ?

(1) 18 अप्रैल, 1948
(2) 25 जनवरी, 1950
(3) 30 मार्च, 1949
(4) 15 मई, 1949
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- 15 मई 1949 को मत्स्य संघ का वृहत् राजस्थान में विलय कर दिया गया था।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- ध्यातव्य है कि 17 मार्च, 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली की चार रियासतों और नीमराणा ठिकाने को मिलाकर मत्स्य संघ का गठन किया।
- 18 मार्च, 1948 को मत्स्य संघ ने कार्य करना प्रारंभ किया था।

12. एकी आंदोलन प्रारम्भ करने से पहले मोतीलाल तेजवात किस राजपूत ठिकाने के कामदार के पद पर कार्यरत थे?

(1) झाड़ोल (2) सलूम्बर
(3) कोठारिया (4) देवगढ़
(4) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- एकी आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1921 में चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया नामक स्थान से वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को हुई थी।
- मेवाड़ रियासत के झाड़ोल ठिकाने के कामदार मोतीलाल तेजावत एकी आंदोलन के प्रमुख नेता थे।
- मोतीलाल तेजावत को आदिवासियों के मसीहा के रूप में भी जाना जाता है।
- एकी आंदोलन भोमट क्षेत्र के भीलों ने शुरू किया था। अतः इसे भोमट भील आंदोलन भी कहा जाता है।

13. झाड़ोल (उदयपुर), कुराडा (नागौर) और साबणियाँ (बीकानेर) मे क्या समानता है?

(1) ताम्रपाषाण संस्कृति के केंद्र
(2) पूरा-पाषाण युग के केंद्र
(3) लघु पाषाण उपकरण मिले हैं
(4) ताम्र उपकरणों का भंडार
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

झाड़ोंल – (उदयपुर), कुराड (नागौर), साबणियाँ (बीकानेर), चाल्कोलिथिक (ताम्र पाषाण) संस्कृति के महत्त्वपूर्ण केन्द्र थे।

- यहाँ तांबे के औजारो के भण्डार मिले थे।

14. प्रसिद्ध चित्रकार मुहम्मद शाह जयपुर के किस महाराजा का दरबारी चित्रकार था?

(1) सवाई राम सिंह (2) सवाई जगत सिंह
(3) सवाई प्रताप सिंह (4) सवाई जय सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- प्रसिद्ध चित्रकार मुहम्मद शाह जयपुर के महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय के दरबारी चित्रकार थे।
- महाराजा सवाई जय सिंह जयपुर के संस्थापक थे।

15. राजस्थान राज्य के प्रथम राजप्रमुख किसे नियुक्त किया गया?

(1) महाराजा उम्मेद सिंह, जोधपुर
(2) महाराजा करणी सिंह, बीकानेर
(3) महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय, जयपुर
(4) महाराजा भगवत सिंह, उदयपुर
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- महाराजा मानसिंह (द्वितीय) को राजस्थान का प्रथम राजप्रमुख बनाया गया था।
- महाराजा मानसिंह (द्वितीय) कच्छवाहा वंश के शासक थे। इन्होनें वर्ष 1922 से लेकर राज्य के भारत में विलय (1949) तक शासन किया था।

16. निम्नलिखित में से किस प्राचीन स्थल के उत्खनन में मालव जनपद की लौह सामाग्री के विशाल संग्रह की जानकारी प्राप्त हुई है?

(1) नागौर (नैनवां) (2) नागरी (मध्यमिका)
(3) सांभर (4) रैढ़ (टोंक)
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- रैढ़ (टोंक) के उत्खनन में मालव जनपद की लौह सामाग्री के विशाल संग्रह की जानकारी प्राप्त हुई है।
- मालव जनपद की सभ्यता को खेडा सभ्यता (Kheda Civilization) कहा जाता है।
- प्राचीन भारत का टाटानगर (लौह सामाग्री के विशाल संग्रह के कारण) 'रैढ़' (टोंक) को कहा जाता है। इस स्थान का उत्खनन केदारनाथ पुरी (Kedarnath Puri) के द्वारा किया गया था।

2021

17. उस क्रांतिकारी महिला का नाम बताइये जिसने बिजौलिया किसान आन्दोलन में भाग लिया और उसे गिरफ्तार किया गया तथा 1930 के सत्याग्रह और 1932 के सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग लिया और जेल गई –

(1) रमा देवी (2) रतन शास्त्री
(3) अंजना देवी चौधरी (4) किशोरी देवी **[1]**

व्याख्या:-

- राजस्थान के जयपुर की वह क्रांतिकारी महिला रमा देवी थी, जिन्होंने बिजौलिया किसान आंदोलन में भाग लिया तथा जब ये 1931 में बिजौलिया गई तो इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।
- रमा देवी ने 1930 तथा 1932 में सत्याग्रह एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया तथा जेल गई।

18. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए –

सूची-I		सूची-II	
A.	गागरोण का युद्ध	(i)	1519 ई.
B.	सारंगपुर का युद्ध	(ii)	1544 ई.
C.	सुमेल का युद्ध	(iii)	1437 ई.
D.	साहेबा का युद्ध	(iv)	1541-42 ई.

कूट -

	A	B	C	D
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iV)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

[2]

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

व्याख्या:-

गागरोण का युद्ध	1519 ई. में मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी द्वितीय एवं मेवाड़ के महाराणा सांगा के बीच हुआ।
सारंगपुर का युद्ध	1437 ई. में मेवाड़ के महाराणा कुंभा व मालवा (मांडू) के सुल्तान महमूद खिलजी के बीच हुआ।
सुमेल का युद्ध	1544 ई. में मालदेव व शेरशाह के बीच हुआ।
साहेबा का युद्ध	1542 ई. में मालदेव व राव जैतसी के मध्य हुआ।

19. राजस्थान में कहाँ, वैदिक यंत्रालय' छापाखाना स्थापित किया गया था?

(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) अजमेर (4) जयपुर **[3]**

व्याख्या:-

- 'वैदिक यंत्रालय' प्रिंटिंग प्रेस अजमेर में स्थापित की गई थी तथा आजादी से पहले के समय में इसने आर्य समाज से जुड़े महत्त्वपूर्ण प्रकाशनों को निकाला था।

20. समाचार पत्र 'मजहरूल सरूर कहाँ से और कब प्रकाशित हुआ?

(1) भरतपुर, 1849 (2) जयपुर, 1856
(3) अजमेर, 1840 (4) उदयपुर, 1879 **[1]**

व्याख्या:-

मजहरूल सरूर

- इसे वर्ष 1849 में भरतपुर से प्रकाशित किया गया।
- यह राजस्थान का पहला समाचार पत्र है।
- यह द्विभाषी (उर्दू व हिन्दी) समाचार पत्र था।

2018

21. निम्नलिखित में से किस स्थल से शासक मिनाण्डर के सोलह सिक्के प्राप्त हुए हैं?

(1) बैराठ (2) नगरी
(3) रैढ़ (4) नगर **[1]**

व्याख्या:-

- बैराठ, मत्स्य जनपद की राजधानी थी। इसका नाम विराटपुर/विराटनगर मिलता है।
- यहाँ अनेक पंचमार्क, आहत मुदाएँ मिली है, जिसमें से 84 मुदाएँ पंचमार्क तथा 28 मुदाएँ इंडो-ग्रीक शासकों की है।
- इनमें से 16 मुदाएँ प्रसिद्ध "यूनानी शासक मिनाण्डर" की है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा शासक गुर्जर-प्रतिहार राजवंश से संबंधित नहीं है?

(1) नागभट्ट - II (2) देवपाल
(3) महेन्द्रपाल - I (4) भरत्रभट्ट - I **[4]**

व्याख्या:-

- अग्निकुंड से जन्में राजपूतों में सबसे प्रसिद्ध वंश प्रतिहार वंश था, जो गुर्जरी की शाखा से सम्बन्धित होने के कारण गुर्जर-प्रतिहार कहलाया।
- इसका वास्तविक संस्थापक नागभट्ट प्रथम था। नागभट्ट द्वितीय वत्सराज का पुत्र एवं उत्तराधिकारी था।
- कालान्तर में इस वंश की 16 राजधानी थी।

23. राजस्थान के पूर्व मध्यकालीन राज्यों में "नैमित्तिक " पदनाम का प्रयोग किया जाता था-

(1) राजकीय कवि के लिए।
(2) लोक स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख के लिए।
(3) राजकीय ज्योतिष के लिए।
(4) मुख्य न्यायिक अधिकारी के लिए। **[3]**

व्याख्या:-

- राजस्थान की मध्यकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के मुख्य रूप तीन आधार थे-
  (1) सामान्य एवं सैनिक प्रशासन।
  (2) भू-राजस्व प्रशासन।
  (3) न्याय प्रशासन।
- 'नैमित्तिक' पदनाम सामान्य एवं सैनिक प्रशासन के अन्तर्गत राज्य प्रशासन में राजकीय ज्योतिष के लिए सृजित किया गया था।

24. क्रांतिकारी, जिसे महन्त प्यारेलाल हत्याकांड में सजा मिली थी-

(1) जोरावर सिंह (2) श्यामजी कृष्ण वर्मा
(3) केसरीसिंह बारहठ (4) विजयसिंह पथिक **[3]**

व्याख्या:-

- केसरीसिंह बारहठ शाहपुरा रियासत के निवासी, कवि तथा स्वतन्त्रता सेनानी। इन्हें वर्ष 1914 में महंत प्यारेलाल हत्याकाण्ड में दोषी ठहराया तथा 20 वर्ष की सजा सुनाकर बिहार के हजारीबाग जेल में रखा गया।

25. निम्नलिखित में से किसने राजपूताना की देशी रियासतों के साथ 1817-18 की अधीनस्थ संधि की बातचीत की थी?

(1) आर्थर वेलेजली (2) चार्ल्स मैटकॉफ
(3) डेविड ऑक्टरलोनी (4) जॉन जॉर्ज **[2]**

व्याख्या:–

- राजस्थान की लगभग सभी रियासतों ने वर्ष 1818 में गवर्नर जनरल लार्ड हेस्टिंग्स के कार्यकाल में अधीनस्थ गठबंधन की संधि कर ली थी।
- इस संधि में मुख्य भूमिका सर चार्ल्स मेटकॉफ ने निभाई थी।
- मेटकॉफ के साथ कर्नल टॉड ने भी प्रमुख सहायक के रूप में कार्य किया।

26. देशी रियासत, जो 25 मार्च, 1948 को गठित संयुक्त राजस्थान का हिस्सा नहीं थी–

(1) बूँदी (2) प्रतापगढ़
(3) उदयपुर (4) शाहपुरा **[3]**

व्याख्या:-

- 25 मार्च, 1948 को राजस्थान के एकीकरण के दूसरे चरण में दक्षिण-पूर्वी राजस्थान की 9 रियासतों यथा- कोटा, बूँदी, झालावाड़, बाँसवाड़ा, टोंक, प्रतापगढ़, किशनगढ़, डूंगरपुर,

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

शाहपुरा तथा कुशलगढ़ ठिकाना को शामिल करके राजस्थान संघ का निर्माण किया गया।

- 30 मार्च, 1949 को वृहत् राजस्थान (चतुर्थ चरण) के निर्माण में उदयपुर रियासत को शामिल किया गया था।

27. 'त्याग भूमि' के संपादक कौन थे?

(1) हरिभाऊ उपाध्याय (2) जयनारायण व्यास
(3) देवी दत्त त्रिपाठी (4) ऋषि दत्त मेहता **[1]**

व्याख्या:-

- त्याग भूमि के संपादक हरिभाऊ उपाध्याय थे।
- इनके साहित्यिक गुरु महावीर प्रसाद द्विवेदी थे। इनकी कर्म भूमि अजमेर थी, ये तात्कालिक अजमेर राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे, राजस्थान सरकार के अंतर्गत वित्त और शिक्षामंत्री का कार्य भी किया। तत्पश्चात् वे राजस्थान साहित्य अकादमी में कई वर्षों तक अध्यक्ष भी रहे।

2016

28. प्राचीन नगर जो महाभारत और महाभाष्य दोनों में उल्लिखित है–

(1) विराट नगर (बैराठ) (2) मध्यमिका (नगरी)
(3) रैढ़ (4) कर्कोट **[2]**

व्याख्या:-

- सर्वप्रथम 1827 ई. में कार्लाइल ने इसकी खोज की। वर्तमान में राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में बेड़च नदी के किनारे पर स्थित मध्यमिका (नगरी) का उल्लेख महाभारत तथा महाभाष्य दोनों में मिलता है। इस प्राचीन नगर में उत्खनन के दौरान हिन्दू व बौद्ध धर्म से संबंधित कई ऐतिहासिक तथ्य मिले हैं।

29. अभिलेख, जो प्राचीन राजस्थान में भागवत सम्प्रदाय के प्रभाव की पुष्टि करता है–

(1) घटियाला अभिलेख
(2) हेलियोदोरस का बेसनगर अभिलेख
(3) बुचकला अभिलेख
(4) घोसुण्डी अभिलेख **[4]**

व्याख्या:-

- नगरी (चित्तौड़) के समीप घोसुण्डी ग्राम से प्राप्त यह लेख द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व का है।
- भागवत धर्म का प्रसार, संकर्षण और वासुदेव की मान्यता तथा अश्वमेध यज्ञ एवं भागवत धर्म के प्रचलन की जानकारी देने वाला यह राजस्थान में प्राचीनतम प्रमाण है।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा विद्वान कुम्भा के दरबार में नहीं था?

(1) टिल्ला भट्ट (2) मुनि सुन्दर सूरी
(3) मुनि जिन विजय सूरी (4) नाथा **[3]**

व्याख्या:-

- प्रबंधकोश तथा पुरातन प्रबंध संग्रह की रचना मुनिजिन विजयसूरी (1888-1976) द्वारा की गयी। कुंभा के दरबारी विद्वान नाथा के द्वारा रचित ग्रंथ वास्तुमंजरी था। संगीत के क्षेत्र में स्वयं कुम्भा ने तीन ग्रन्थों की रचना की थी–
  - संगीतराज
  - संगीतमीमांसा
  - रसिकप्रिया
- संगीत ग्रंथों की रचना के कारण कुंभा को अभिनव भरताचार्य की उपाधि प्राप्त थी।

31. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म गलत सुमेलित है?

कृषक आंदोलन		नेता
(1)	बेगूं	रामनारायण चौधरी
(2)	बूँदी	नयनूराम शर्मा
(3)	बिजोलिया	विजय सिंह पथिक
(4)	बीकानेर	नरोत्तम लाल जोशी

[4]

व्याख्या:-

- बीकानेर कृषक आंदोलन (1937) के प्रमुख किसान नेता जीवन चौधरी थे।
- बिजौलिया आन्दोलन लाग- बाग करों में वृद्धि के विरोध में 1913 में साधु सीताराम दास, फतहकरण चारण और ब्रह्मदेव के नेतृत्व में प्रारम्भ। बाद में 1915 में विजयसिंह पथिक ने नेतृत्व किया। नरोत्तम लाल जोशी जयपुर प्रजामण्डल के प्रवर्तकों में से प्रमुख थे। राजस्थान की प्रथम विधानसभा के अध्यक्ष भी थे।

32. राजस्थान के इतिहास में 'पट्टा रेख' से क्या अभिप्राय है?

(1) आकलित राजस्व (2) सैन्य कर
(3) आयत-निर्यात कर (4) बेगार **[1]**

व्याख्या:-

- सामन्त (जागीरदार) को प्राप्त जागीर के पट्टे में पट्टा रेख नाम से अनुमानित वार्षिक राजस्व का उल्लेख होता था।
- रेख का दूसरा अर्थ सैनिक कर से भी था। रेख द्वारा निर्धारित आय के मापदण्डों के आधार पर ही राज्य शुल्क का हिसाब-किताब रखता था।
- रेख के आधार पर ही सामंत से उत्तराधिकार शुल्क, सैनिक सेवा, न्योता शुल्क आदि का निर्धारण किया जाता था। रेख न तो नियमित रूप से प्रतिवर्ष वसूल किया जाता था और न ही इसकी दर निश्चित थी।

33. शेखावाटी ब्रिगेड का मुख्यालय कहाँ स्थित था?

(1) सीकर (2) झुंझुनूँ
(3) खेतड़ी (4) फतेहपुर **[2]**

व्याख्या:-

- कानसिंह, ददरेवा के सूरजमल राठौड़, श्याम सिंह बिसाऊ द्वारा अंग्रेजों पर हमलों के बाद अंग्रेजों ने लुटेरों को दबाने के लिए 1834 ई. में मेजर फॉरेस्टर के नेतृत्व में झुंझुनूँ मुख्यालय पर शेखावाटी ब्रिगेड की स्थापना की।

34. स्वतंत्रता पूर्व राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन-सा समाचार-पत्र आर्य समाजी विचारधारा का संवर्धक नहीं था?

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(1) देश हितेषी (2) जनहितकारक
(3) परोपकारक (4) राजपूताना गज़ट **[4]**

व्याख्या:-

- रियासती जनता पर नरेशों के अत्याचारों का प्रकाशन कर जनता में निडरता की भावना पैदा करने के लिए 1885 ई. में अजमेर से मौलवी मुराद अली ने राजपूताना गजट का सम्पादन किया।

35. सुमेलित कीजिए–

संस्था			स्थापना वर्ष
A.	राजस्थान सेवा संघ	I.	1921
B.	देश हितेषी सभा	II.	1927
C.	अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद्	III.	1877
D.	चैम्बर ऑफ प्रिन्सेज	IV.	1919

कूट:

	A	B	C	D
(1)	IV	III	II	I
(2)	II	IV	I	III
(3)	I	II	IV	III
(4)	IV	II	III	I

[1]

व्याख्या:-

संगठन	स्थापना	स्थान
राजस्थान सेवा संघ	1919	वर्धा
देश हितेषी सभा	1877	उदयपुर
अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद्	1927	बंबई
चैम्बर ऑफ प्रिन्सेज	1921	लंदन

36. निम्नलिखित में से सर्वप्रथम किसने राजस्थान के राजसी शासक वर्ग के लिए पृथक् शिक्षा संस्थान की आवश्यकता पर बल दिया था?
(1) कर्नल लोच (2) लॉर्ड लैंसडाऊन
(3) कैप्टन वाल्टर (4) लॉर्ड मेयो **[3]**

व्याख्या:-

- राजस्थान के राजसी शासक वर्ग के लिए कैप्टन वाल्टर ने सर्वप्रथम पृथक शिक्षा संस्थान की आवश्यकता पर बल दिया था।

37. राजस्थानी साहित्य की एक प्रारंभिक रचना 'हंसावली' रचित है-
(1) हेमचन्द्र द्वारा (2) असाईत द्वारा
(3) श्रीधर व्यास द्वारा (4) ईसरदास द्वारा **[2]**

व्याख्या:-

- राजस्थानी साहित्य की प्रारम्भिक रचना हंसावली असाईत के द्वारा रचित है।
- हेमचन्द्र द्वारा परिशिष्ट वर्मन की रचना की गयी।
- श्रीधर व्यास द्वारा रणमल छंद की रचना की गयी।
- ईसरदास द्वारा हाला झाला री कुण्डलियाँ की रचना की गयी।

2015

38. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ कुम्भा की रचना नहीं है?
(1) रसिकप्रिया (2) सुधा प्रबंध
(3) नृत्यरत्नकोष (4) कलानिधि **[4]**

व्याख्या:–

- मेवाड़ महाराणा कुम्भा का शासनकाल 1433 ई. से 1468 ई. तक था।
- संगीतराज, रसिकप्रिया, सुधा प्रबंध, नृत्य रत्नकोष और कामराज नामक ग्रंथों की रचना कुंभा के द्वारा ही की गई थी।
- जबकि कलानिधि नामक ग्रंथ की रचना गोविन्द के द्वारा की गई।

39. कोटा में वीर भारत समाज की स्थापना की-
(1) प्यारेराम (2) साधु सीताराम
(3) नयनूराम (4) केसरी सिंह **[4]**

व्याख्या:–

- वर्ष 1910 में केसरी सिंह बारहठ ने वीर भारत समाज की स्थापना की थी।
- केसरी सिंह बारहठ ने मेवाड़ के शासक फतेह सिंह को वर्ष 1903 के कर्जन के दरबार में जाने से रोकने हेतु चेतावनी रा चुंगट्या नामक 13 सोरठो की रचना की।

40. निम्नलिखित में से राजपूताना के किस क्षेत्र पर वरीक वंश ने शासन किया था?
(1) बदनौर (2) ओसियां
(3) बयाना (4) अलवर **[3]**

व्याख्या:–

- वरीक वंश ने राजपूताना के बयाना क्षेत्र पर शासन किया था।
- वरीक वंश ने बयाना के किले के अंदर एक लाट का निर्माण करवाया था।

41. 1920 के दशक में राजनीतिक जागरण के उद्देश्य से किसने ब्यावर से राजस्थान अखबार का प्रकाशन किया-
(1) ऋषि दत्त मेहता
(2) हरिभाऊ उपाध्याय
(3) मुंशी समर्थदान
(4) रामनारायण चौधरी **[1]**

व्याख्या:-

- **राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाएँ एवं संपादक-**
(1) राजस्थान समाचार- मुंशी समर्थदान चारण
(2) तरुण राजस्थान (अजमेर) - शोभालाल व रामनारायण चौधरी
(3) नवीन राजस्थान - राजस्थान सेवा संघ
(4) त्याग भूमि (अजमेर) - हरिभाऊ उपाध्याय

42. निम्नलिखित में से किस शासक के राज्यकाल के दौरान दिल्ली शिवालिक स्तंभ अभिलेख उत्कीर्ण कराया गया था–
(1) अर्णोराज
(2) विग्रहराज चतुर्थ
(3) पृथ्वीराज द्वितीय
(4) पृथ्वीराज तृतीय **[2]**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

व्याख्या:-

- विग्रहराज चतुर्थ के शासनकाल के दौरान दिल्ली शिवालिक स्तम्भ अभिलेख उत्कीर्ण कराया गया था। दिल्ली को तोमरों से छीनने के उपलक्ष्य में इसे स्थापित किया गया था। इन्हें 'बीसलदेव' तथा 'कवि बाँधव' की उपाधि प्राप्त थी।

43. 25 मार्च, 1948 को गठित संयुक्त राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाया गया था-

(1) जयनारायण व्यास
(2) गोकुललाल असावा
(3) गोकुल भाई भट्ट
(4) हीरालाल शास्त्री **[2]**

व्याख्या:-

राजस्थान एकीकरण-

क्र. सं.	चरण	नाम	उद्घाटन दिनांक	मुख्यमंत्री
1.	प्रथम चरण	मत्स्य संघ	18 मार्च, 1948	शोभाराम कुमावत
2.	द्वितीय चरण	राजस्थान संघ	25 मार्च, 1948	गोकुललाल असावा
3.	तृतीय चरण	संयुक्त राजस्थान	18 अप्रैल, 1948	माणिक्यलाल वर्मा
4.	चतुर्थ चरण	वृहत् राजस्थान	30 मार्च, 1949	हीरालाल शास्त्री

44. मध्यकालीन राजस्थान के राज्यों में शासक के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण अधिकारी जाना जाता था-

(1) महामात्य के रूप में
(2) मुख्यमंत्री के रूप में
(3) संधिविग्रहिक के रूप में
(4) प्रधान के रूप में **[4]**

व्याख्या:-

- मध्यकालीन राजस्थान के राज्यों में शासक के पश्चात्, प्रधान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अधिकारी होता था। इसे प्रधानमंत्री तथा मुगल दरबार में वकील कहा जाता था। अकबर ने इस पद को समाप्त कर दिया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213